एफ.सं. 450/26/2019-सीयूएस IV
भारत सरकार
वित्त मंत्रालय,
राजस्व विभाग
(केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड)
नई दिल्ली, दिनांक 13 अप्रैल, 2020

सेवा में,
सभी प्रधान मुख्य आयुक्त / मुख्य आयुक्त सीमा शुल्क / सीमा शुल्क (निवारक),
सभी प्रधान मुख्य आयुक्त/मुख्य आयुक्त सीमा शुल्क और केंद्रीय कर,
सभी प्रधान आयुक्त / आयुक्त सीमा शुल्क / सीमा शुल्क (निवारक),
सभी प्रधान आयुक्त / आयुक्त सीमा शुल्क और केंद्रीय कर,

महोदया/महोदय,

विषय: पेपरलेस सीमा शुल्क - पीडीएफ आधारित गेटपास का इलेक्ट्रॉनिक संचार और सीमा शुल्क आढ़तियों/आयातकों को बिल ऑफ एंट्री की ओओसी कॉपी - के संदर्भ में ।

कोविड-19 महामारी के कारण उत्पन्न अभूतपूर्व स्थिति को कम करने के लिए, सीबीआईसी ने सीमा शुल्क निकासी प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने और तीव्र बनाने लिए कई उपाय किए हैं जिससे यह स्वचालित और ऑनलाइन और कागजात रहित हो जाये। इन उपायों में एक शपथपत्र (बॉन्ड नहीं) के आधार पर माल निकासी की सुविधा, मूल देश की प्रमाण पत्र की इलेक्ट्रॉनिक स्वीकृति आदि शामिल हैं। ये कदम ऑनलाइन केरी मॉड्यूल, ई-संचित, वेब आधारित माल पंजीकरण, डीजीएफटी जारी लाइसेंस के इलेक्ट्रॉनिक प्रसंस्करण, सीमा शुल्क अनुपालन सत्यापन के आधार पर आयातित माल की मशीन रिलीज़ और सीमा शुल्क **आढ़तियों** और पंजीकृत आयातकों को पीडीएफ आधारित बिल ऑफ एंट्री (बीओई) की पहली प्रति के इलेक्ट्रॉनिक संचरण जैसे तुरंत सीमा शुल्क के एक हिस्से के रूप में पहले किए गए सुधारों के पूरक हैं।

2. उपरोक्त सुधार सीमा शुल्क निकासी में तेजी लाने और लेनदेन लागत को कम करते हैं। इसी समय, बोर्ड ने यह भी देखा कि COVID-19 महामारी के संकट से निपटने के लिए सीमा शुल्क अधिकारियों और आयातकों/निर्यातकों/सीमा शुल्क आढ़तियों के बीच इंटरफ़ेस को कम करने वाले विशिष्ट उपाय इस चुनौतीपूर्ण समय में विशेष रूप से प्रासंगिक हैं। इस दिशा में, बोर्ड ने अब आयातकों/सीमा शुल्क ब्रोकरों को बीओई और ई गेट पास की पीडीएफ आधारित अंतिम ईओओसी (इलेक्ट्रॉनिक आउट ऑफ चार्ज) प्रति के इलेक्ट्रॉनिक संचार को सक्षम करने का निर्णय लिया है। यह इलेक्ट्रॉनिक संचार सीमा शुल्क अधिकारियों और आयातकों/सीमा शुल्क आढ़तियों के बीच इंटरफ़ेस को कम करेगा और सेवा केंद्र से भारी प्रिंटआउट लेने या सीमा शुल्क हाऊस में भारी भौतिक सारांश (डॉकेट) के रखरखाव की आवश्यकता को भी दूर करेगा। बीओई और ई-गेटपास कॉपी की अंतिम ईओओसी कॉपी संबंधित सीमा शुल्क **आढ़तियों** और/या आयातक को ईमेल की जाएगी, यदि वह पंजीकृत है, तो एक बार आउट ऑफ चार्ज की अनुमति दी जाती है। गेट अधिकारी या कस्टोडियन ई गेट पास के प्रयोग द्वारा सीमा शुल्क क्षेत्र से आयातित माल के भौतिक निकास की अनुमति दी जाएगी

3. बीओई और ई गेट पास की अंतिम ईओओसी प्रति के सुरक्षित इलेक्ट्रॉनिक संचार की मुख्य विशेषताएं निम्नानुसार है

1. **अंतिम आउट ऑफ चार्ज (ईओओसी) बिल ऑफ एंट्री की प्रति**

अभी तक, कई सीमा शुल्क स्थानों पर बीओई की अंतिम ओओसी प्रति पर भौतिक हस्ताक्षर करने पर जोर दिया जाता है। इससे आयातक/सीमा शुल्क **आढ़तियों** को सेवा केंद्र से एक पेपर प्रिंटआउट लेने की आवश्यकता होती है जिसे सीमा शुल्क अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किया जाता है। अब से बीओई की अंतिम ओओसी प्रति के पेपर प्रिंटआउट को समाप्त करने का निर्णय लिया गया है। इसके बजाय, डीजी सिस्टम सीमा , एक कार्यक्षमता को विकसित करेगी जो कि सीमा शुल्क **आढ़तियों**

और/या आयातक, यदि वह पहले से पंजीकृत है को ओओसी के बाद उत्पन्न बीओई की अंतिम ईओओसी प्रति के पीडीएफ संस्करण को तुरंत ईमेल करने में सक्षम बनाएगा। बीओई की इस अंतिम ईओओसी प्रति में निम्नलिखित विशेषताएं होंगी-

(i) पीडीएफ संस्करण में डिजिटल रूप से हस्ताक्षरित और एन्क्रिप्टेड क्यूआर कोड होगा जिसे मोबाइल ऐप आइसट्रेक का उपयोग करके दस्तावेज़ की प्रामाणिकता को सत्यापित करने के लिए स्कैन किया जा सकता है। क्यूआर कोड टैम्पर प्रूफ है, जिसकी प्रामाणिकता सुनिश्चित करने के लिए सीबीआईसी द्वारा डिजिटल रूप से हस्ताक्षर किए गए हैं। मुख्य विवरण जैसे बीओई संख्या, बीओई दिनांक, ड्यूटी, पैकेज विवरण सुरक्षित क्यूआर कोड में उपलब्ध हैं।

(ii) एक संस्करण संख्या भी क्यूआर कोड में सन्निहित है जिसका उपयोग यह पता लगाने के लिए किया जा सकता है कि दस्तावेज़ वास्तव में नवीनतम संस्करण है (पुनर्मूल्यांकन आदि के मामले में)। इसे आइसगेट पूछताछ में सत्यापित किया जाएगा।

II. ई गेट पास

वर्तमान में, सीमा शुल्क परिसर से आयातित माल की वास्तविक आवाजाही की अनुमति देने से पहले बीओई की भौतिक रूप से हस्ताक्षरित अंतिम ओओसी प्रति गेट अधिकारी (सीमा शुल्क) के साथ-साथ कस्टोडियन दोनों द्वारा सत्यापित की जा रही है। इस भौतिक प्रिंटआउट को अब पीडीएफ ई गेट पास द्वारा प्रतिस्थापित किया जा रहा है और इसे आयातक/सीमा शुल्क ब्रोकर्स को इलेक्ट्रॉनिक रूप से सूचित किया जा रहा है निम्नलिखित विशेषताओं के साथ,:

(i) ई गेट पास में केवल कस्टोडियन या गेट अधिकारी द्वारा माल की वास्तविक आवाजाही की अनुमति देने के लिए संदर्भित विवरण शामिल होंगे - जैसे आईजीएम/बिल ऑफ लैडिंग, कंटेनर, पैकेज आदि।

(ii) पूरे ई-गेटपास दस्तावेज़ के लिए दो प्रकार के क्यूआर कोड होंगे (i) पूरे ई गेट पास कागजात के आर लिए (ii) गेटपास के तहत कवर किए गए प्रत्येक कंटेनर/पैकेज के लिए। यह सुनिश्चित करेगा कि केवल वे कंटेनर / पैकेज बाहर निकलें जो गेटपास दस्तावेज़ के तहत कवर किए गए हैं।

(iii) ईडीआई ओओसी संदेश आइसगेट पर पंजीकृत अभिरक्षकों को भेजा जाना जारी रहेगा। चूंकि सभी कस्टोडियन आइसगेट से जुड़े नहीं हैं, इसलिए, ईडीआई ओओसी संदेश ऐसे कस्टोडियन को इलेक्ट्रॉनिक रूप से प्रेषित नहीं किया जा रहा है। फील्ड फॉर्मेशन से अनुरोध है कि वे डीजी सिस्टम की सलाह के अनुसार आइसगेट में ऐसे सभी संरक्षकों का पंजीकरण सुनिश्चित करें ताकि नए उपायों के संभावित लाभ पूरे सीमा शुल्क पारिस्थितिकी तंत्र को मिल सके।

4 बीओई और ई गेट पास की कॉपी की अंतिम ईओओसी प्रति के इलेक्ट्रॉनिक संचार से इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेजों की प्रामाणिकता और वैधता के सत्यापन से अनुपालन के समय और लागत एवं व्यापार के लिए इंटरफ़ेस में कमी के संदर्भ में अत्यधिक लाभ मिलने की उम्मीद है।, यह उपाय 15 अप्रैल, 2020 से प्रभावी किया जाएगा।

5. यह अनुरोध किया जाता है कि व्यापार और उद्योग का मार्गदर्शन करने के लिए उपयुक्त व्यापार नोटिस/स्थायी आदेश जारी किया जाये। इस परिपत्र के कार्यान्वयन में आने वाली कठिनाई, यदि कोई हो, को तुरंत बोर्ड के ध्यान में लाया जा सकता है।

भवदीय

(विनीता)

ओएसडी (सीमा शुल्क)